एक नजर में

संघ का पथ संचलन आज

घट्टिया । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ शताब्दी वर्ष अंतर्गत आज रविवार को संघ का पथ संचलन पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर निकलेगा । संचलन सुबह 9 बजे जनपद पंचायत प्रांगण से प्रारम्भ होकर नगर भ्रमण कर समापन पुन: जनपद प्रांगण में होगा । संघ शताब्दी वर्ष को लेकर स्वयंसेवको में उत्साह है।

मुख्य मार्ग पर स्पीड ब्रेकर अधूरे, रोज हो रहे हादसे – प्रशासन मौन!

माकड़ौन। नगर के सतगुरु कोलकाटा रोड से लेकर सरस्वती शिशु मंदिर तक के मुख्य मार्ग पर अधूरे पड़े स्पीड ब्रेकर अब हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। शासन-प्रशासन की अनदेखी से आए दिन छोटे-बड़े एक्सीडेंट हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। यह मार्ग नगर का मुख्य मार्ग है, जहां से रोजाना स्कूल बसें, ग्रीन सिटी के वाहन, वेयरहाउस ट्रक, पेट्रोल पंप के ग्राहक और हाजी इलाके की जनता गुजरती है। इसके बावजूद सड़क पर सही जगह और ऊंचाई के अनुसार स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए गए हैं। पहले भी इसी विषय पर खबर प्रकाशित हो चुकी थी, मगर शासन और संबंधित विभाग ने अब तक अधूरे स्पीड ब्रेकर पूरे नहीं करवाए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़क पर उचित स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए गए तो चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। जनता ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है ताकि और हादसे न हों।

सरल स्वभाव के नेता को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

माकड़ौन/रूपाखेड़ी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष, नरेन्द्र मोदी विचार मंच के प्रदेश सचिव गुमान सिंह चौहान एवं बालू सिंह चौहान के पूज्य पिता पूर्व सरपंच भगवान सिंह चौहान (रूपाखेड़ी) का देवलोकगमन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम यात्रा 1 नवंबर 2025 की सुबह 9 बजे रूपाखेड़ी से निकली, जो मुक्तिधाम पहुंची। इसमें सैकड़ों की संख्या में जनप्रतिनिधि, पत्रकार, समाजसेवी, किसान, व्यापारी और क्षेत्रवासी शामिल हुए। सभी ने भगवान सिंह जी को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। श्रद्धांजलि सभा में संजय रावल ने कहा कि बा साहब सरल, मिलनसार और जनसेवा के प्रति सदैव तत्पर रहने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने सदैव गांव और समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दें।

'उद्गम से संगम पर्यंत शिप्रा प्रदिक्षणा' का शुभारंभ

उज्जैन. मां शिप्रा तथा शिप्रा रथ का पूजन कर होगा शिप्रा उद्गम से संगम प्रदिक्षणा का शुभारंभ-त्रिशूल शिवगण वाहिनी के संस्थापकगण पं सुरेंद्र चतुर्वेदी तथा पं, आदित्य नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 2 नवम्बर को प्रात: 8 बजे आरती द्वार रामघाट उज्जैन पर त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा आयोजित 'उद्गम से संगम पर्यंत शिप्रा प्रदिक्षणा' का शुभारंभ महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरी महाराज जूना अखाड़ा तथा दादूराम आश्रम के संस्थापक महामंडलेश्वर ज्ञान दास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा संत समिति के अध्यक्ष विशाल दास महाराज की अगुवाई में तथा संत, महंत, एवं महामंडलेश्वरो की पावन उपस्थिति में होगा इस अवसर महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद गिरी, महामंडलेश्वर अतुलेशानंद सरस्वती,भागवत आनंद गिरि (भगवान बापू), स्थानीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष डॉ रामेश्वर दास गिरी,गुफा अधिपति रामनाथ महाराज मित्र बांदा धाम संस्थापक गिरीश गुरु महाराज अवंतिका रामानुज कोट युवराज प्रपन्नाचार्य महाराज करपात्री कल्याण आश्रम के प्रेम परमानंद महाराज ,ददूआ आश्रम संस्थापक मनीष महाराज ,साकेत धाम संस्थापक घनश्याम दास महाराज , अभिराम दास आश्रम के मुनी शरण महाराज , कथा व्यास संत हरि नारायण शास्त्री ,आचार्य अखिलेश महाराज राम कथा आचार्य सुलभ गुरु ,संत नारायण जी ओझा महंत शीश्लेश्वरी देवी जूना अखाड़ा, साध्वी मनोरमा भारती ,महंत नीलेशानंद महाराज ,महंत जितेंद्र दास महाराज, हजारी हनुमान, महंत निर्मोही अखाड़ा चरण दास जी महाराज आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे.

प्रदिक्षणा को सफल बनाने की अपील राजेश शर्मा पुजारी महाकाल, किरण कांत मेहता ऐश्वर्य नागर , विनय कुमार ओझा,चंद्रशेखर शर्मा ,योगेश शर्मा, शैलेश दुबे, वीरेंद्र त्रिवेदी, शैलेंद्र द्विवेदी, रामगोपाल शर्मा,दिनेश रावल ,मातृशक्ति श्रीमती निशा त्रिपाठी ,कीर्ति मोड, श्रीमती कीर्ति शर्मा, श्रीमती वर्षा जोशी शर्मा, श्रीमती अर्चना ज्ञानी ,अंजना शुक्ला ,श्रीमती समीक्षा व्यास ,उमा व्यास, श्रीमती प्रियंका जोशी, श्रीमती रत्ना व्यास, श्रीमती इंदिरा त्रिवेदी ,तीर्थ ईकाई गौरव उपाध्याय धर्माधिकारी, चंदन गुरु व्यास, राम शुक्ला,यश जोशी ,वेद प्रकाश त्रिवेदी, द्वारकेश शास्त्री गुलाट गुरु, स्वप्निल शास्त्री ,हेमंत शास्त्री, अमृतेश त्रिवेदी, सतीश नागर, शम्मी जोशी, महेंद्र उपाध्याय आदि ने की है.

दोस्त को मोबाइल पर कॉल कर लगाई फांसी

उज्जैन। बीती रात एक युवक ने दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले एक दोस्त को घर जाने और दूसरे को फोन कर फांसी लगाने की बात कही थी। युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसका पता नहीं चल पाया है। मक्सी रोड विधायक नगर मैं रहने वाले शिवा पिता राजेंद्र जूनवाल 18 वर्ष को रात में फांसी के फंदे से उतार कर चरक अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने मृत घोषित कर पंवासा पुलिस को सूचना दी थी। आज सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि शिवा अपने पिता के साथ रहता था उसकी मां काफी समय पहले छोड़ कर चली गई थी। पढ़ाई करने के साथ सोलर पैनल लगाने का काम करता था। देर शाम अंकित से मजाक की और घर रोटी बनाने के लिए जाने का बोलकर निकल गया। कुछ देर बाद उसने संदीप को फोन लगाया और फांसी लगाने की बात कही। संदीप गोपाल मंदिर पर था। उसने कारण पूछा तो शिवा ने फोन काट दिया। संदीप ने क्षेत्र में रहने वाले आयुष को घर भेजा, लेकिन देर हो चुकी थी शिवा ने फंदा गले में डाल लिया था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद बॉडी अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपी है, जांच के बाद ही कारण सामने आ पाएगा।

डकैती के लिए दोस्तों का इंतजार कर रहे बदमाश हिरासत में

चाकू और नकाब का कपड़ा बरामद, साथियों की तलाश

उज्जैन। हथियारों के साथ दो युवकों को वारदात की फिराक में देख कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आधी रात को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा तो डकैती के लिए पांच साथियों का इंतजार करना कबूल कर लिया। दोनों बदमाशों से पुलिस ने चाकू और हाथ के ग्लव्स बरामद किए हैं उनके साथियों का पता लगाया जा रहा है। महिदपुर थाना पुलिस ने बताया कि गंगा वाली मेला ग्राउंड शिव मंदिर के पीछे नदी किनारे दो बदमाशों के पास हथियार होने और बड़ी वारदात की फिराक में खड़े होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी की और दोनों को हिरासत में लिया। दोनों के पास से चाकू, हाथ के ग्लव्स, मुंह पर बांधने वाला काला कपड़ा बरामद किया गया। उस्ताद करने पर एक ने अपना नाम दलपत सिंह सोंधिया निवासी लसूड़िया श्रीपथ और दूसरे ने पंकज उर्फ हितेश निवासी ग्राम बैजनाथ होना बताया। दोनों को थाने लाकर सख्ती से पूछताछ शुरू की गई तो उन्होंने कबूल किया कि वह अपने पांच साथियों का इंतजार कर रहे थे। उनकी योजना महिदपुर रोड नागदा तिराहे पर डॉक्टर राठौर के यहां डकैती डालने की थी। पांचो साथी दो तीन अन्य बदमाशों के साथ आने वाले थे उसके बाद सभी महिदपुर रोड वारदात करने निकलते। दोनों ने अपने पांच साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार दोनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जा सकता है। फिलहाल दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड पता किया जा रहा है वहीं उनके साथियों की तलाश में एक टीम रवाना की गई है।

कालिदास प्रतिभा के बल पर जहां सूर्य थे,वहीं शेक्सपियर्स उनके सामने जुगनू था

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 70वें कालिदास समारोह का भोपाल से किया वर्चुअल उद्घाटन

मंत्री टेटवाल व धर्मेंद्र लोधी ने उज्जैन पहुंचकर दिया उद्बोधन

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां हुई

समारोह के संस्थापक पं. सूर्य नारायण व्यास को याद किया

उज्जैन। महान कवि लेखक ग्रन्थकार कवि कालिदास अपनी प्रतिभा के बल पर जहां सूर्य थे वही शेक्सपियर उनके सामने जुगनू था, यदि कोई शेक्सपियर की तुलना कालिदास से करता है तो यह बात गलत है मैं इसका खंडन करता हूं कालिदास ने अपना एक वजूद कायम किया है, वह हर किसी के बूते की बात नहीं है यह बात कालिदास अकादमी के संकुल में पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कही। मुख्यमंत्री डॉ .मोहन यादव ने शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से उज्जैन के अखिल भारतीय कालीदास समारोह का वर्चुअल शुभारंभ किया। देवप्रबोधिनी एकादशी और मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय कालिदास समारोह का शुभारंभ जिस प्रकार से अतिथियों ने किया, ऐसे में डॉ मोहन यादव ने भोपाल से ऑनलाइन जुड़कर उद्बोधन भी दिया ।

उज्जैन के हर घर में प्रतिभा- सीएम ने कहा कि 2000 साल बाद भी महाकवि कालिदास की रचनाएं जीवंत है मेघदूतम और अभिज्ञान शाकुंतलम विश्व भर में आदर के साथ पढ़ी जाती है, हर घर में उज्जैन में कोई ना कोई प्रतिभा है कोई ना कोई कलाकार है यह उज्जैन की विशेषता है ऐसा नगर पूरे देश में दुर्लभ है

कालिदास पर कुछ बोलना सूर्य को दिया दिखाना- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ने भारत माता और मध्यप्रदेश की जय बोलते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के 70 वे स्थापना दिवस की शुभ मंगलकामनाएं देता हूं।उज्जैन में तो भगवान श्री कृष्ण का विद्यालय भी है। आप सभी को मेरा नमन हैं। म.प्र. भारत का हृदय प्रदेश है। यह आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र चरित्र निर्माण की भूमि है। कालिदास समारोह के आयोजन में मंत्री से टाट वाले कहा कि कालिदास पर बोलना सूर्य को दिया दिखाने के समान है उन्होंने जो ग्रंथ लिखे हैं जो रचनाएं लिखी है उसे मैं बचपन में पढ़ा करता था।

धार्मिक नगरी अब विश्व पटल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। जिले में फार्मर रजिस्ट्री, मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व, कपिला गौशाला, प्रधानमंत्री आवास आदि में उल्लेखनीय कार्य किया। सिहंस्थ 2028 में क्षिप्रा के निर्मल जल से ही स्नान होगा। उज्जैन शिक्षा में भी सिरमौर बन रहा है। उज्जैन सांस्कृतिक, पर्यटन और धार्मिक रुप से विश्व पटल पर अंकित है। उज्जैन को आध्यात्मिक नगरी के रुप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित किया जा रहा है। यह बात मंत्री गौतम टेटवाल ने कही।

सीएम ने वर्चुअल किया शुभारंभ दी बधाई- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह की बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवउठनी एकादशी के पावन पर्व पर यही प्रार्थना है कि श्री हरि विष्णु, सबके जीवन में मांगलिक प्रसंग, सुख, समृद्धि और प्रसन्नता प्रदान करें, सभी के कुटुंब में धन-धान्य की सतत वृद्धि हो। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कालिदास समारोह का भोपाल से वर्चुअल शुभारंभ किया.

मुख्यमंत्री ने पंडित व्यास को याद किया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पद्मभूषण पंडित सूर्य नारायण व्यास को भी स्मरण किया, उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से यह आयोजन 1928 से ही आयोजित किया जाता रहा है, कालिदास की रचनाओं में प्रकृति दर्शन प्रेम श्रृंगार और सौंदर्य और ईश्वर तत्व का गहरा भाव देखने को मिलता है , कालिदास अकादमी के निदेशक गोविंद गन्धे ने रूपरेखा प्रस्तुत की । इस दौरान महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर शिव शंकर मिश्रा, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा महापौर मुकेश टटवाल पंडित सूर्य नारायण व्यास जी के पुत्र पंडित राजशेखर व्यास,पौत्र पंडित सूर्यांश व्यास समेत कई अतिथि और गण्यमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सोशल मीडिया से क्षिप्रा में डूबे युवक की पहचान

2 घंटे बाद मिला था शव, दूसरे दिन कराया पोस्टमार्टम

उज्जैन। गऊघाट स्थित क्षिप्रा नदी में शुक्रवार सुबह युवक डूब गया था, 2 घंटे की तलाश के बाद उसका शव बाहर निकाला गया था। मौके पर पहचान नहीं होने पर पुलिस ने सोशल मीडिया पर फोटो प्रसारित कराया था। देर शाम मृतक युवक की पहचान हो गई। दूसरे दिन शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि सुबह कुछ लोगों ने सूचना देकर बताया था कि गऊघाट स्थित क्षिप्रा नदी में एक युवक डूब गया है।

पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश के लिये एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। करीब 2 घंटे की तलाश के बाद युवक का शव बाहर निकाला गया। घाट पर उसके कपड़े मिले थे, जिससे सामने आया कि वह नहाने के दौरान डूबा है। कपड़ो में उसकी पहचान का कोई दस्तावेज नहीं था। पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने शिनाख्त नहीं की। शव को पोस्टमार्टम कक्ष भेजा गया और मृतक का फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। देर शाम शांतिनगर के रहने वाला परिवार थाने पहुंचा और बताया कि क्षिप्रा नदी में डूबा युवक तुषार पिता देवेन्द्र यादव 20 साल है।

वह सुबह मॉर्निंग वॉक पर जोगिंग करने का का बोलकर घर से निकला था। थाना प्रभारी के अनुसार मृतक की पहचान होने पर मर्ग कायम किया गया है। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के बयान दर्ज किये । शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद भी डूबने का कारण सामने आ पाएगा।

सरस्वती शिशु मंदिर में सरदार पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई

माकड़ौन। ज्ञान, चरित्र और संस्कार की त्रिवेणी — सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल माकड़ौन में भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य अरुण कुमार शर्मा, आचार्य परिवार एवं भैया-बहिनों द्वारा सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विद्यालय परिसर देशभक्ति के जयघोषों से गूंज उठा। प्राचार्य अरुण कुमार शर्मा ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि 'स्वतंत्रता के बाद रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका अतुलनीय रही। उनकी दूरदृष्टि, संगठन क्षमता और राष्ट्र निर्माण की सोच हमें आज भी प्रेरणा देती है।' समिति सचिव जयप्रकाश सरिया ने कहा कि 'सरदार पटेल मां भारती के सच्चे सपूत थे। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने जीवन का हर क्षण समर्पित किया। बारडोली सत्याग्रह में मिली 'सरदार' की उपाधि उनके जननेतृत्व का प्रमाण है।'

कार्यक्रम में वरिष्ठजन समिति परिवार से श्याम कारपेंटर, सुनील जैन, मंगलसिंह बढ़िया, मोहनलाल देवड़ा, प्रकाश जैन, डॉ. महेंद्र समाधिया, वरिष्ठ आचार्य वासुदेव गामी, ताराचंद चौहान, नरेंद्र कादरा, सुरेंद्रसिंह, धमेंद्र मेहता, जितेंद्र, राजेंद्र परमार, कमलसिंह, अंतरसिंह, लालसिंह, गोविंदराय, भरत, नरेंद्र प्रजापति सहित समस्त आचार्य परिवार, भैया-बहिन एवं समिति परिवार उपस्थित रहे। संपूर्ण आयोजन शालीनता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी पाली व्यवस्था प्रमुख एवं मीडिया सूचना प्रभारी आचार्य देवनारायण प्रजापति ने दी।

देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव से गूंजा महाविद्यालय

माकड़ोन. मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय माकड़ौन में देशभक्ति, संस्कृति और एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे परिसर में उल्लास का माहौल था और विद्यार्थियों ने ऊर्जा व उत्साह से भरपूर सहभागिता की ।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार दीक्षित ने की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश केवल भौगोलिक दृष्टि से नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा और मानवता की भावना से भी देश के हृदय प्रदेश के रूप में अग्रणी है ।मुख्य वक्ता डॉ. नमन सारस्वत ने राज्य की स्थापना और विकास की यात्रा पर रोचक चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत के युवाओं के हाथों में ही प्रगति का भविष्य निहित है।

बी.ए. तृतीय वर्ष की प्रतिभाशाली छात्रा मंत्र शाह ने अपने ओजस्वी शब्दों में कहा कि 'मध्य प्रदेश का गौरव उसकी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक धरोहर में साकार होता है।' विद्यार्थियों ने भाषण, कविता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्थापना दिवस को अविस्मरणीय बना दिया ।कार्यक्रम का संचालन कॉमर्स विभाग की प्रो. डॉ. ज्योति जैन ने शानदार ढंग से किया। मंच पर डॉ. राजेंद्र सिंह सिसोदिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। तकनीकी सहयोग गणित विभाग के प्रो. डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता ने प्रदान किया।

विद्यालय परिवार के अनुशासित और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से आयोजन की शोभा कई गुना बढ़ गई। प्राचार्य डॉ. दीक्षित ने सभी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इसी उत्साह और समर्पण से राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत होती है ।पूरे कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. नरेंद्र सरिया ने दी।

डकैती की योजना बनाते दो आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

आरोपियों की महिदपुर रोड स्थित डॉक्टर के घर पर डकैती डालने की थी योजना

महिदपुर पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग मेला ग्राउंड गंगावाड़ी मंदिर के पास बैठ कर क्षेत्र में डकैती डालने की योजना बना रहे है।

थाना महिदपुर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मेला ग्राउंड गंगावाड़ी मंदिर के पास से डकैती की योजना बनाते हुए दो आरोपियों को मौके पर से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से डकैती में प्रयोजन हेतु हथियार व अन्य सामान जप्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे अन्य साथियों के साथ मिलकर महिदपुर रोड स्थित डॉक्टर बालचन्द्र राठौर के घर पर डकैती डालने की योजना बना रहे थे। फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थाना महिदपुर पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण क्रमांक 416/25 धारा 310(4), 310(5) बी.एन.एस. एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध किया गया है ।गिरफ्तार आरोपी- हितेश उर्फ पंकज पिता नागुलाल विश्वकर्मा उम्र 28 साल निवासी बैजनाथ हाल मुकाम बोहरा बाखल महिदपुर दलपत सिंह पिता मोहन सिंह पवार उम्र 35 साल निवासी लसूडिया श्रीपथ हाल मुकाम राजेन्द मार्ग महिदपुर अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी।

जप्त मश्रुका - एक नकली पिस्टल, एक धारदार चाकू, एक लोहे का पाइप, एक बांस का डंडा तथा थैली में रखे पाँच काले कपड़े, दस ग्लव्स एवं लाल मिर्च पाउडर।

सराहनीय भूमिका - निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार, उपनिरीक्षक प्रतीक यादव , उपनिरीक्षक सुखसेन आरियाम , प्र आर धर्मेंद्र प्रताप सिंह, आर राघव सिंह , आर मोहर सिंह, आर आदिराम केवट ,आर प्रवीण सिंह ,आर चंद्रभान सिंह, आर अखिलेश एवं सायबर टीम एवं क्राइम टीम की मुख्य भूमिका रही। तथा न्यायालय मे पेश किया गया। न्यायालय से दो दिन का रिमांड दिया गया।

कार्तिक मेला गधों के इस मेले में प्रदेश भर से गधा व्यापारी पहुंचे हैं, जो अपने गधों को बेचने और खरीदने के लिए उज्जैन की धरती पर एकत्र हुए

कार्तिक मेले में अनूठी परंपरा : गधों को गुलाब जामुन खिलाकर मेले का श्रीगणेश

उज्जैन। बड़नगर रोड पर स्थित कार्तिक मेले में एक बार फिर अनूठी परंपरा का नजारा देखने को मिला, जहां गधों का पूजन कर और गुलाब जामुन खिलाकर मेले का शुभारंभ किया गया। मेले में गधों की धूम के बीच गुलाब जामुन की मिठास ने सभी का दिल जीत लिया। इस दिलचस्प आयोजन में पार्षद कैलाश प्रजापत मुख्य अतिथि रहे, जिनकी उपस्थिति में मेले की शुरुआत की। गधों के इस मेले में प्रदेश भर से गधा व्यापारी पहुंचे हैं, जो अपने गधों को बेचने और खरीदने के लिए उज्जैन की धरती पर एकत्र हुए हैं। मनोज बाबूलाल प्रजापत एवं राकेश प्रजापत गधे वाला ने जानकारी देते हुए बताया

कि इस बार मेले में गधों की कीमत 2000 से लेकर 8000 रुपए तक जा रही है। हालांकि आधुनिकता के इस दौर में गधों का उपयोग कम हो गया है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी गधे सामान ढोने का प्रमुख साधन बने हुए हैं। खास बात यह है कि यहां गधों को सलमान, शाहरुख, ऐश्वर्या, जैकलिन, शबनम और शबाना जैसे नाम दिए गए हैं, जो बाजार में आकर्षण का केंद्र बने हुए है। गधे पालक मनोज बाबूलाल प्रजापत का कहना है, कार्तिक पूर्णिमा से पहले यह मेला वर्षों से आयोजित होता आ रहा है, और यह परंपरा प्रजापत समाज द्वारा निभाई जाती है। इस बार भी व्यापारी अच्छी बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे मेले का माहौल उत्साहपूर्ण बना हुआ है। कार्यक्रम का संचालन प्रजापत समाज के मुख्य महासचिव दिलीप प्रजापत ने किया